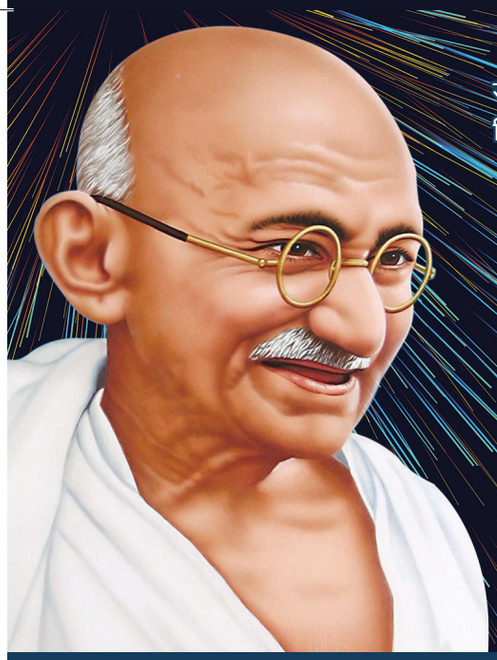

सच्ची शिक्षा जीवन प्रक्रिया है, जो सहयोग, सहिष्णुता, सार्वजनिक भावना और जिम्मेदारी की भावना को सबके दिल में उपजाने में मदद करती हैं। - महात्मा गांधी

कनेक्ट

खंड - ५ अंक १२ दिसंबर २०१९ www.mgncre.org

अनुसन्धान परिषदों को अब राष्ट्रीय प्रासंगिकता

"हर परिषद को सामाजिक रूप से प्रासंगिक होना चाहिए, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दोंपर काम करना चाहिए। उनकी भूमिका और प्रदर्शन राष्ट्र द्वारा दिखाई और महसूस किया जाना चाहिए । मैं चाहता हूं कि सभी परिषदें सहयोग करें, अलग-थलग कार्य करना छोड दें और आपस में बंधन बनाऐं " श्री वीएलवीएसएस सुब्बा राव सीनियर आर्थिक सलाहकार ने - एमएचआरडी से यह आग्रह किया जब की, अनुसंधान परिषदों की कार्य योजना की समीक्षा बैठक वित्त वर्ष २०१९-२० और २०२०-२१ के लिए एमएचआरडी के तत्वावधान में हो रही थी। बैठक १२ नवंबर को हैदराबाद में आयोजित की गयी थी और इसमें भाग लिया गया था - भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (ICHR), भारतीय परिषद दार्शनिक अनुसंधान (ICPR), भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद अनुसंधान (ICSSR), भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान (IIAS), और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (MGNCRE) शामिल थे। समीक्षा विषय पत्रिका के दौरान परिषदों की गतिविधियों पर केंद्रित था। काउंसिल द्वारा २०१९-२० और कार्य और कृति योजना के लिए रास्ता तैयार करना २०२०-२१, के बीच सहयोग के संभावित तरीकों की खोज करना, परिषदों के बीच सहयोग और परिषदों की दृश्यता बढ़ाने के तरीके खोज निकालना।

श्री वीएलवीएसएस सुब्बा राव ने ज्ञान को साझा करने के अवसरों पर बात की । प्रत्येक परिषद के लिए संभावित तरीकों को साझा करना, सुलझाना और उनकी खोज करना आवश्यक हैं। उन्होंने प्रत्येक परिषद की "दृश्यता" की आवश्यकता पर जोर दिया। राष्ट्र के लिए इसे और अधिक सफल और प्रभावशाली बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा बैठक का उद्देश्य, सभी परिषदों को व्यक्त करना था। स्वयं अपने कार्यात्मक कार्य क्षेत्रों में और उनकी व्याख्या करने के लिए दृष्टि की जाँच की जाएगी और आगे के लिए विश्लेषण किया जाएगा , यह समावेशन के लिए जरूरी हैं।

इसके बाद प्रत्येक परिषद से एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई । उनके वर्तमान और भविष्य की कार्रवाई के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। अध्यक्ष एमजीएनसीआरई डॉ. डब्ल्यू जी प्रसन्ना कुमार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद की व्यापक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के प्रयासों को उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा विधिवत रुप से प्रशंसा और सराहना की गई। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद की भविष्य की योजना को स्पष्ट रूप से सामने रखा गया था।

केंद्रित प्रमुख बिंदु इस प्रकार के थे-

- देश भर की उच्च शिक्षण संस्थाओं में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के परियोजना संकाय सदस्यों द्वारा, संस्था गत दौरोंद्वारा, प्रत्येक संस्था को दो गाँवोंको गोद लेने और खुले में शौच करना प्रधाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- महात्मा गांधीजीकी १५०वी जयंती के अवसर पर देश भर के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के लिए नयी तालीम पर संकाय विकास कार्यक्रम की आयोजना करना।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा की गयी स्वच्छता से संबंधित गतिविधियाँ और उपलब्धी की जानकारी।
- व्यावसायिक प्रबंधन में स्नातक और व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर का ग्रामीण प्रबंधन।
- आंतर राष्ट्रीय स्तर पर - युरोप और एशिया में व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम में कचरा व्यवस्थापन और सामाजिक उद्यमिता का समावेश करने के लिए, विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर सहयोग और हस्ताक्षर कर के, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा विकसित अपशिष्ट प्रबंधन करना और आंतर राष्ट्रीय करण करना यह एक गहन संगोष्ठी हैं।
- ग्रामीण प्रबंधन पर एक आंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भी रखा था।
- दक्षिण पूर्व एशिया के लिए स्वच्छता पर एक केंद्र देना।
- जल शक्ती की गतिविधियों को आगे ले जाना।

बैठक एक दिलचस्प और सीखनेका अनुभव थी. जिस में श्री सुब्बाराव का कुशल मार्गदर्शन था, और प्रत्येक परिषद के पास मुख्य मार्ग थे और आगे का रास्ता दिखाया गया था।

माननीय जल शक्ती मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जीने जल शक्ती केंम्पस और जल शक्ती ग्राम नियमावली को १५ भाषाओं में प्रकाशित करने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के प्रयासों की सराहना की।

संपादक की टिप्पणी

२०१९ साल की समाप्तीपर मुझे इस बात पर बहुत खुशी और संतुष्टी हो रही है, की हम सब बहुत सारे विभीन्न परियोजना क्षेत्रोंकी आलोचना में कामयाब हुए हैं। कार्यशालाओं, दौरों और संकाय विकास कार्यक्रमोंके साथ साथ हमने अपने रचनात्मक पक्षों का भी पता लगाया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा निर्मित "छोटे गांधी" - एक लघु चलचित्र को आंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिव्हल २०१९ में भेजा गया था। इस चलचित्र में पाठशालाओं में की जाने वाली अलग अलग "नयी तालीम" की गतिविधियों की विशद पडताल की गयी हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय परिषदों की समीक्षा बैठक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के साथ अपने कार्यसूची को आगे बढाने और इसकी गतिविधियों को आगे लाने के साथ एक समृद्ध अनुभव था। श्री वीएलवीएसएस सुब्बा राव - सीनियर आर्थिक सलाहकार, इन्होंने अपने मूल्यवान आदानों के साथ कार्यक्रम को बहुत अच्छी तरह से निर्देशित किया, क्योंकी उन्होंने हर समय इस बात पर जोर दिया कि, परिषदों को उन के कार्यों के लिए अधिक दृश्यमान कैसे बनाया जाए। एक उत्साह जनक अपशिष्ट प्रबंधन किया गया, जिस में व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में - कचरा व्यवस्थापन और सामाजिक उद्यमिता आंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना था। ग्रामीण प्रबंधन पर आंतरराष्ट्रीय प्रतिभागीयों के साथ एक संगोष्ठी आयोजित की गयी थी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में अवसरोंपर अपनी तरह की पहली उद्योग शिक्षावीद भेंट आयोजित की गयी, जो एक बडी सफलता थी। आयोजन जे आय एस विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल के सहयोग से किया गया था। इस तरह के अधिक भेंट कोईंबतूर, चेन्नई, कोलकाता और दिल्ली क्षेत्रों में पंक्तीबद्ध हैं। स्वच्छ कार्य योजना की गतिविधियां महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद अधिकारीयों के सिथ चल रही हैं - जो गावों का दौरा कर रहें हैं और मामले का अध्ययन कर रहें हैं। इस.परियोजना में १०० से भी ज्यादा उच्च शिक्षा संस्था शामिल है - जिन के साथ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद अपने गाँव भ्रमण अध्ययन के साथ आगे बढ रहा है।

डॉ. डब्ल्यू जी प्रसन्ना कुमार

अध्यक्ष महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

मैं जे आय एस विश्वविद्यालय के सहयोग से पश्चिम बंगाल में अपशिष्ट प्रबंधन पर पहला उद्योग शिक्षावीद भेंट आयोजित करने के लिए और अपने सार्थक प्रयासों के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के कर्मचारीयों को बधाई देता हूँ। इस तरह के प्रदर्शनों से अपशिष्ट प्रबंधन पर समाज को शिक्षीत करने और अवसर प्रबंधन के क्षेत्र में प्रचुरता प्रदान करने के लिए बहुत आवश्यक प्रेरणा प्रदान करना सुनिश्चीत होता है।क्षेत्र के दौरे अत्याधिक प्रामाणिक मामले की अध्ययन की उपज दे रहें हैं और भारत के स्वच्छाग्रह का पता लगाया जा रहा हैं।

श्री वीएलवीएसएस सुब्बा राव - सीनियर आर्थिक सलाहकार, के मार्गदर्शन में आयोजित परिषद की समिक्षा बैठक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के भविष्य के लिए अच्छी तरह से उभरती हैं।

डॉ. भारत पाठक उपाध्यक्ष

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उद्योग शिक्षावीद भेंट - कचरा व्यवस्थापन के लिए - ७-८ नवंबर

पहली बार, एक अनोखी - उद्योग शिक्षावीद भेंट एवं कचरा व्यवस्थापन की प्रदर्शनी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित की गयी। इस तरह की पहली प्रदर्शनी ७ - ८ नवंबर को पश्चिम बंगाल के कोलकाता के पास , गुरू नानक कॉलेज परिसर , सोदेपूर में आयोजित की गयी थी। डॉ. बी. सी. मल, कुलपती, जे आय एस विश्वविद्यालय, प्रमुख अतिथी थे। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद का व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर अध्यापन का पाठ्यक्रम - कचरा व्यवस्थापन और सामाजिक उद्यमिता जिसे ए आय सी टी ई तकनिकी शिक्षा के सभी भारतीय परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है, उसे १५ प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थाओं में उच्च शिक्षा संस्थान स्वीकार किया गया हैं। प्रदर्शनी "अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में अवसर" पर दर्शकों को शिक्षीत करने का एक मंच था। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के वरिष्ठ संकाय दिलीप कुमार चक्रवर्ती, डॉ. रवी सिंह, और सुश्री मौसमी मुखर्जी ने इस कार्यवाही को सुविधा जनक बनाया। प्रदर्शकों और प्रतिभागीयों में अपशिष्ट विशेषज्ञ, उपकरण निर्मिता और आपूर्ती कर्ता, नियामक निकाय, नगर निगम, प्रदूषण नियंत्रण मंडल, जल और स्वच्छता विभाग, पर्यावरण निकाय, गैर सरकारी संगठन, पुनचक्रण विशेषज्ञ, निजी कॉर्पोरेट असामी, होटल, अस्पताल, और व्यापारी और संबंधित सारे शामिल थे। इन प्रतिभागीयों ने पूर्ण अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रियों का और उद्योग कलाओं के कार्यशील नमुने दिखाए हैं।

विशेष निमंत्रण

- डॉ. अर्पण मित्रा, अध्यक्ष बंगाल न्याशनल चेबर ऑफ वाणिज्य और उद्योग
- प्रोफेसर अभिजित सेन गुप्ता, निदेशक, गुरू नानक संस्थान के फार्मा शास्त्र और प्रायोगिकी विभाग
- श्री अविजीत घोष, प्रधान तकनिकी अधिकारी, सी एस आय आर-सेंट्रल ग्लास अँड सिरेमीक रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- प्रोफेसर बिधान रे, (पूर्व) विभाग के प्रमुख - रसायन विज्ञान विभाग, जवाहरलाल विद्यापीठ के पॉलिमर विभाग के प्राधिकरण
- डॉ. जे. भट्टाचार्य, प्रधान अध्यापक, गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल सायन्स अँड रिसर्च
- श्री. अरिंदम बैनर्जी , वरिष्ठ महाप्रबंधक
- सु श्री अत्रेयी दत्ता, महाप्रबंधक कोलंबिया एशिया अस्पताल, कोलकाता
- श्री. विवेकानंद रॉय, क्षेत्रीय निदेशक, (पूर्व) मेडीकेयर कोलकाता
- श्री. पराग मजुमदार, रिटमेन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्री के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध संचालक
- डॉ. नंदन मॉल, हुलाडेक रसियकलगि के कार्यपालक अधकिारी

अध्यक्ष महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद ने स्काईप विडीओ सम्मेलन के माध्यम से इस घटना को अपने महत्व पूर्ण निवेश प्रदान किए। .

प्रदर्शनी एक बहुत बडी सफलता थी और इसने अपशिष्ट प्रबंधन - कचरा व्यवस्थापन के क्षेत्र में सही कदम रखा। .

प्रबंधन - कचरा व्यवस्थापन- पर लाइव फोन इन कार्यक्रम - की होते चाई- का आयोजन किया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के वरिष्ठ संकाय दिलीप कुमार चक्रवर्ती को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्होंने इस विषय पर स्पष्ट रुप से बात की थी।

जल स्वच्छता और स्वच्छता (वॉश)

राज्य में गतिविधियाँ

तेलंगाणा

स्वयंसेवी कार्यक्रम - महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद - यूनिसेफ इंडिया परियोजना - उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में २४ नवंबर.

सातवाहन विश्वविद्यालय करीम नगर में (वॉश) जागरूकता और स्वयंसेवकवाद पर एक परामर्श कार्यशाला आयोजित की गयी।

डॉ. हरिकांत एन एस एस कार्यक्रम समन्वयक एस यू और विश्वविद्यालय कॉलेजों के कार्यक्रम अधिकारीयों के साथ - २७ नवंबर

एस आर आर सरकारी और स्नातक और स्नातकोत्तर कॉलेज करीमनगर में वॉश और स्वयंसेवकवाद पर एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

डॉ. रामकृष्ण - प्रधान अध्यापक और संस्था के अध्यक्ष, एन एस एस और कार्यक्रम अधिकारीयों के साथ २८ नवंबर.

चैतन्य भारती संस्थान की तकनिकी शिक्षा संस्था, हैदराबाद में १४और १५ नवंबर को स्वच्छता कार्य योजना और.सामुदायिक व्यस्तता इस विषय पर दो दिवसीय ग्रामीण आप्लावन कार्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम

పారిశుధ్యం, స్వచ్ఛతలో యువత భాగస్వామ్యం కావాలి

» యునిసెఫ్ ప్రత్యేకాధికారి బాణాల ప్రభాకర్

కరీంనగర్ స్పోర్ట్స్, నవంబరు 27: పారిశుధ్యం, స్వచ్ఛత లో యువత భాగస్వామ్యం కావాలని యునిసెఫ్ ప్రత్యేకాధికారి బాణాల ప్రభాకర్ అన్నారు. జిల్లా కేంద్రంలోని ఎస్సారార్ డిగ్రీకళాశాలను ఆయన బుధవారం సందర్శించారు. ఈ సందర్భంగా ప్రిన్సిపాల్ డాక్టర్ కలువకుంట రామకృష్ణ, ఎన్ఎస్ఎస్ ప్రోగ్రాం అధికారులు బి సురేశ్, నారాయణ, డాక్టర్ వరప్రసాద్, డిడి నాయుడులతో సమావేశమయ్యారు. వ్యక్తిగత పరిశుభ్రత, గ్రామీణ పారిశుధ్యం, స్వచ్ఛ గ్రామాలు, ఎన్ఎస్ఎస్ స్వచ్ఛభారత్‌తో అనుసంధానం చేస్తున్నట్లు తెలిపారు. ఎన్ఎస్ఎస్ ప్రోగ్రాం అధికారులంతా కలిసి సంయుక్తంగా వాష్ ప్రోగ్రాం చేపట్టాలని ఆయన సూచించారు. సమావేశంలో ప్రిన్సిపాల్ రామకృష్ణ, ప్రోగ్రాం అధికారులు బి సురేశ్‌కుమార్, వరప్రసాద్, నారాయణ, నాయుడు, ఎన్ఎస్ఎస్ వలంటీర్లు పాల్గొన్నారు.

ఆంధ్రజ్యోతి Thu, 28 November 2019
https://epaper.andhrajyothy.com/c/46255462

वॉश जागरूकता और स्वयंसेवकवाद , महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद - यूनिसेफ इंडिया परियोजना - पलामुरु विश्वविद्यालय महबूब नगर के एन एस एस कार्यक्रम अधिकारीयों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला - २० नवंबर

TELANGANA 3

Workshop on 'wash volunteers' held in PU

HANS NEWS SERVICE

Mahbubnagar: With an aim to provide awareness about cleanliness and hygiene in the villages, the NSS cell of Palamuru University (PU), in collaboration with Mahatma Gandhi Grameen Vidhya Parishad (MGGVP) and UNICEF India have organised a one-day workshop at Academic block in Palamuru University on Wednesday.

As many as 30 NSS officers from various colleges took part in the programme. Professor Dr Pindi Pavan Kumar, Registrar of PU, while taking part as chief guest, hailed the efforts of NSS in spreading the awareness on cleanliness, importance of washing and keeping surroundings hygienic. "Particularly in the villages, the youth must come forward and spread awareness on the common issues of washing, clean water and keeping hygienic conditions. The NSS volunteers must go in the villages and register students as 'wash volunteers' and through them launch the awareness programmes in their respective villages. PU is always ready to become part of such novel programmes to improve the conditions in the villages and ensure a healthy society," the PU Registrar said.

During the workshop, the NSS organisers and representatives of MGGVP and UNICEF India urged their respective NSS officers to enrol more students and register them as 'Wash Volunteers' and launch the clean and hygiene programme in the villages and spread awareness among the villagers about the importance of cleanliness and hygiene. Kishore Kumar Paidipally, Wash Consultant, Banala Prabhakar, Project Director of (MGGVP) and UNICEF India, Dr Anuradha Reddy, NSS Palamuru University Coordinator, Dr Arjun Kumar and others took part in the programme.

PU Registrar Pindi Pawan Kumar addressing the workshop at Palamuru University in Mahbubnagar on Wednesday

इंजिनिअरिंग कॉलेजों में काम करने वाले एन एस एस कार्यक्रम अधिकारीयों के साथ । उच्च शिक्षा संस्थानों में "वॉश जागरूकता और स्वयंसेवकवाद" पर जवाहरलाल नेहरु टेक्नॉलॉजीकल विश्वविद्यालय , हैदराबाद में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में ३० प्रतिभागीयों ने भाग लिया।

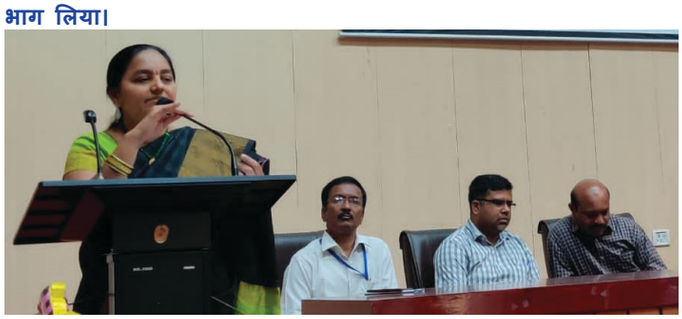

प्रतिभागीयों को संबोधित करते डॉ. शोभारानी - विभाग प्रमुख, फार्मसी विभाग।

श्री वेंकटेश्वर इंजिनिअरींग कॉलेज, सूर्यपेट में २८ और २९ नवंबर को स्वच्छता कार्य योजना और सामुदायिक व्यस्तता पर ग्रामीण आप्लावन और प्रशिक्षण कार्यक्रम

"नयी तालीम" पर एक दिवसीय कार्यशाला, कार्य शिक्षा और महिलाओं के लिए शिक्षण संस्थान, प्रायोगिक शिक्षण, हुगली- २२ नवंबर

प्रद्युम्न संस्थान ऑफ उच्च शिक्षण, जोयपुर बांकुरा में "नई तालीम", प्रायोगिक शिक्षा और कार्य शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला।

"नयी तालीम" पर एक दिवसीय कार्यशाला, शिक्षा बिकास सेवा फाऊंडेशन में प्रयोगिक शिक्षा और कार्यानुभव - १५ नवंबर

काबी नजरुल इस्लाम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, मेमारी, बर्दवान में ९ नवंबर को "नयी तालीम" पर प्रयोगिक शिक्षण और कार्य शिक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी।

"नयी तालीम" पर एक दिवसीय कार्यशाला, सामुदायिक कार्य के रुप में, दिशारी कॉलेज ऑफ शिक्षण संस्था में ५ नवंबर को आयोजित की गयी।

ओड़िशा

६ नवंबर को महात्मा गांधी राष्ट्रीय "नयी तालीम" प्रशिक्षण कार्यक्रम, छात्र और संकाय के साथ एक गोलमेज बातचीत का आयोजन, आर आय ई , भुवनेश्वर में किया गया। प्रोफेसर प्रकाश चंद्र अगरवाल, प्रधान अध्यापक आर इय ई, प्रोफेसर (श्रीमती) गौरम्मा आई. पी., विभाग प्रमुख और प्राध्यापक, प्रोफेसर भुजेंद्र नाथ पांडा , शिक्षा के प्राध्यापक और अनुसंधान के अध्यक्ष, प्रोफेसर रमाकांता मोहलिक, प्रोफेसर लक्ष्मीधर बेहेरा और डॉ. (श्रीमती) रस्मी रेखा सेठी, सह प्राध्यापक।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के सहायक निदेशक डॉ. डी एन दास ने शुरु में, संकाय और एम एड के छात्रों के सामने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद और "नयी तालीम" पर एक प्रस्तुती दी। संस्धान के प्रमुख और संकाय महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के प्रशिक्षण के अनुभव के लिए, छात्रों का चयन करने के लिए सहमत हुए।

आंध्र प्रदेश

युनीसेफ एस एफ डी आर आर परियोजना के तहत, ग्रामीण आप्लावन और सामुदायिक सहभागिता पर ५ दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम - श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय में जत्था २ (एस.पी एम वी वी), तिरुपती में १६ से २० नवंबर को आयोजित किया गया।

प्रोफेसर डी एम ममथा, रजिस्ट्रार, एस पी एम वी वी , कार्यक्रम की मुख्य अतिथी थी। उन्होंने कहा कि, समाज और उसकी समस्याओंके बारे में जानना नागरिकों की प्रमुख जिम्मेदारी हैं, और ग्रामीण भारत से बहुत कुछ सीखना हैं। प्रोफेसर जे के कात्यायनी, व्यवसाय प्रबंधन विभाग के प्रमुख और एफ डी पी संयोजक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने सामाजिक लक्ष्यों पर जोर दिया, जिससे ग्रामीण समाज में सुधार होगा। डॉ अनुराधा, एन एस एस, कार्यक्रम अधिकारी, सह संयोजक थी। डॉ के सुनिथा, सह संयोजक ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम की सुविधा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के संकाय एम साई किरण द्वारा की गयी थी।

ग्रामीण लचीलापन के निर्मिती के लिए, ५ दिवसीय पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम २९ नवंबर से ३ दिसंबर तक आयोजित किया गया हैं।

मुख्य अतिथी : प्रोफेसर सुंदरा कृष्णा, कुलपती कृष्णा विश्वविद्यालय श्री के नारायण राव, कॉलेज अध्यक्ष डॉ वी. सेलजा, समन्वयक

पंजाब

अध्यक्ष, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ के दौरे पर थे। उन्होंने ग्रामीण प्रबंधन में व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर शिक्षा शुरु करने पर बहुत ही उपयोगी चर्चा की। स्कूल और शिक्षक शिक्षा संस्थानों के लिए "नयी तालीम" की प्रायोगिक शिक्षा प्रणाली के लिए पंजाबी भाषा में सामग्री तैयार कराने के लिए बहुत सारे अंतर सक्रीय संकाय सदस्यों के साथ चर्चा की गयी।

नयी तालीम - प्रायोगिक शिक्षण परियोजना - वरीष्ठ संकाय द्वारा स्कूल यात्रा - प्रियावर्त शर्मा

जल संचयन के बारे में छात्रों के साथ चर्चा

जी एन डी यू, अमृतसर, पंजाब में छात्रों और एन एस एस समन्वयकों के साथ बातचीत। गाँव की यात्रा के दौरान, भारत पाकिस्तान बॉर्डर पर गाँव रानिया, गाँव के सरपंच, एन एस एस टीम जी एन डी यू, अमृतसर पंजाब के साथ।

नागालैंड

गिडेमा फेक जिले में नत्सुलु राखो द्वारा गाँव का दौरा।

गिडेमा गाँव के जवान, गाँव के अध्यक्ष और विडीबी के साथ

खोनोमो गाँव - गाँव के वीसीसी और गाँव के परिषद के साथ

उत्तर प्रदेश

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद वरिष्ठ संकाय डॉ विजय प्रताप सिंह स्कूलों में नयी तालीम पर काम कर रहे हैं।

राजस्थान

वरिष्ठ संकाय डॉ अनिल कुमार दुबेजी ने आय आय टी जोधपूर राजस्थान में दो दिवसीय यू बी ए कार्यक्रम १४ से १५ नवंबर तक कई गतिविधियों का आयोजन किया।

बिहार

पश्चिमी चंपारण, बिहार में गांधीजी की बुनियादी शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला।

राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरसिया, पश्चिमी चंपारण।

गांधी वादी दृष्टिकोण से ग्रामीण विकास पर पटना विश्वविद्यालय, पटना में एक दिवसीय कार्यशाला - २४ नवंबर।

तमिलनाडु

तमिलनाडु के लिए उद्योग - शिक्षा बैठक को तैयार किया गया हैं। एस. आर एम विश्वविद्यालय, सत्यबामा विश्वविद्यालय, पी एस जी प्रबंधन संस्थान, श्री कृष्ण कला और विज्ञान कॉलेज, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के साथ मिलकर इस कार्यक्रम में सहयोग कर रहें हैं। नवीन कुमार,महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के वरिष्ठ संकाय, उच्च शिक्षा संस्थान के साथ चर्चा और गोलमेज बैठक का संचालन कर रहें हैं।

माननीय कुलपती, सत्यबामा विश्वविद्यालय, चेन्नई के साथ।

एस आर एम विश्वविद्यालय, चेन्नई के माननीय कुलपती के साथ

जम्मू & कश्मीर

जम्मू और कश्मीर राज्य के जम्मू संस्थान में स्कूल और शिक्षक - शिक्षा पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रायोगिक शिक्षा, नयी तालीम और कार्य शिक्षा पर कार्यशाला, जम्मू - १ नवंबर।

श्री जे के सूदन, संयुक्त निदेशक/ प्रधान अध्यापक, एस आय ई, जम्मू, इस कार्यशाला में मुख्य अतिथी थे, जिस में ३५ प्रतिभागी थे। उन्होंने प्रतिभागीयों से कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लेने और सामुदायिक प्रतिबद्धता, पाठ्यक्रम के साथ लेने का आग्रह किया, जिससे राज्य के छात्र शिक्षकों और छात्र विद्यार्थीयों को भी लाभ होगा। उन्होंने वर्तमान शिक्षा प्रणाली में क्षमता, आत्मविश्वास निर्माण, सहिष्णुता और कौशल्य के इर्द गिर्द घुमती हुई गांधी वादी विचार धारा के एकीकरण कि भी स्वागत किया। राज्य में शिक्षा के सभी स्तरों पर नयी तालीम को लागू करने के लिए संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने पर भी चर्चा हुई।

स्वच्छता कार्य योजना - गाँओं की यात्रा

महाराष्ट्र

गोंडी गाँव का आंगनवाडी दल

के आय एम एस डी यु के नोडल अधिकारी एस वी काकडे और खुबी ग्रामपंचायत के सदस्य, गाँव में उगाएँ गए खाद्यान्न की जाँच करते हुए।

आंध प्रदेश

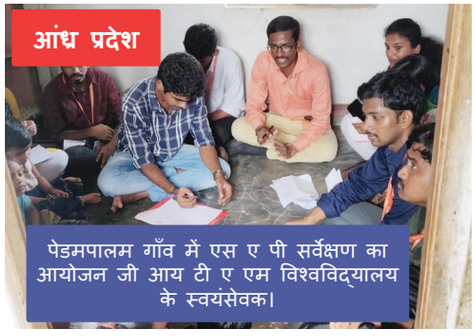

पेडमपालम गाँव में एस ए पी सर्वेक्षण का आयोजन जी आय टी ए एम विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक।

एस ए पी जी आय टी ए एम दल के नोडल अधिकारी डॉ पी. मंजुश्री ने सह प्राध्यापक और डॉ आय बांगर राजू, सहायक प्राध्यापक की उपस्थिती में पेड्डीपलेम में जागरूकता पैदा की।

के एल विश्वविद्यालय में एस ए पी पर चर्चा - माननीय उप कुलपती डॉ एल एस एस रेड्डी, डॉ वी राजेश (डीन) , डॉ एन बी वी प्रसाद (डीन प्लेसमेंट अँड प्रोग्रेशन) और श्री पी साई विजय (सी ई ओ स्मार्ट विलेज)

के एल विश्वविद्यालय की एस ए पी के दौरान ग्रामवासियों के साथ संवाद - श्री गोपीचंद, समन्वयक के एल यू।

तेलंगना

रंगारेड्डी जिले के गाँव बालीजागुडा में स्फूर्ती इंजिनिअरिंग कॉलेज के स्वयंसेवक के साथ

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के परियोजना अधिकारी डॉ बी प्रसाद राव, आई पी एस, प्लेसमेंट के निदेशक @ बी आय ई टीT

येल्लम्मा - गाँव की एक बुजुर्ग के साथ बातचीत @एंगालगुडा, रंगारेड्डी जिला

सिद्धार्थ इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजिनिअरींग अँड टेक्नॉलॉजी के छात्र पोलकंपल्ली गाँव के सरपंच को कार्य योजना प्रस्तुत करते हुएं।

नेकनामपूर गाँव के अधिकारीओं के साथ बातचीत करते वासवी इंजिनीअरिंग कॉलेज के छात्र।

मध्य प्रदेश

गाँव के सचिव महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के वरिष्ठ संकाय के साथ , बधोली गाँव की स्वच्छता स्थिती पर चर्चा

शिकराडा गाँव ग्वालियर में स्वच्छता पर एक डोर टू डोर अभियान का संचालन

आई टी एम विश्वविद्यालय ग्वालियर - आंगनबाडी कार्यकर्ता शिकराडा के साथ बातचीत

श्री शंकराचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स, भिलाई दुर्ग, दो गाँव गोद लिए - दुर्ग जिले के चिखली और करंजा गाँव।

हरयाना

मंडोरा गाँव में एन आई एफ टी ई एम के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ खुले में शौच के बारे में जागरूकता बढानाe

पंजाब

मेहरू गाँव में स्वच्छता पर जागरूकता फैलाते हुए लवली पेशेवर विश्वविद्यालय के छात्र

कर्नाटका

पंचायत अध्यक्ष और सेंट एलॉयसियस कॉलेज के विभाग प्रमुख, सामाजिक सरोकार केंद्र, शौचालय के तामीर की संभावना करते हुए @कवलपदुरू

तमील नाडु

थुल्लूकारपट्टी गाँव के प्राथमिक विद्यालय के मुख्याध्यापक के साथ

नागमपट्टीनाम गाँव में, आई आई टी मद्रास के छात्रों ने बनाया हुआ तालाब

पनीमलार इंजिनिअरिंग कॉलेज द्वारा, वेलवेदु गाँव को दिया गया तिन पहिए वाला साइकिल

डॉ एस महादेवन, उप संकायाध्यक्ष, और श्री एस कनगराज, नोडल अफसर,के साथ बातचीत @अमृता विश्व विद्यापिठम्

आइए हम मिलकर काम करें एक हरियाली और स्वच्छ ग्रामीण भारत के लिए

सत्यमेव जयते

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

5-10-174, शक्कर भवन, ग्राउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद, तेलंगाना - 500 004.
तेलंगाना राज्य. दूरभाष: 040-23422112, 23212120, फैक्स: 040-23212114 ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यूजी प्रसन्ना कुमार, अध्यक्ष एमजीएनसीआरई, डॉ. डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया वी और शिवराम जी,
श्री पी मुरली मनोहर सदस्य-सचिव एमजीएनसीआर द्वारा प्रकाशित